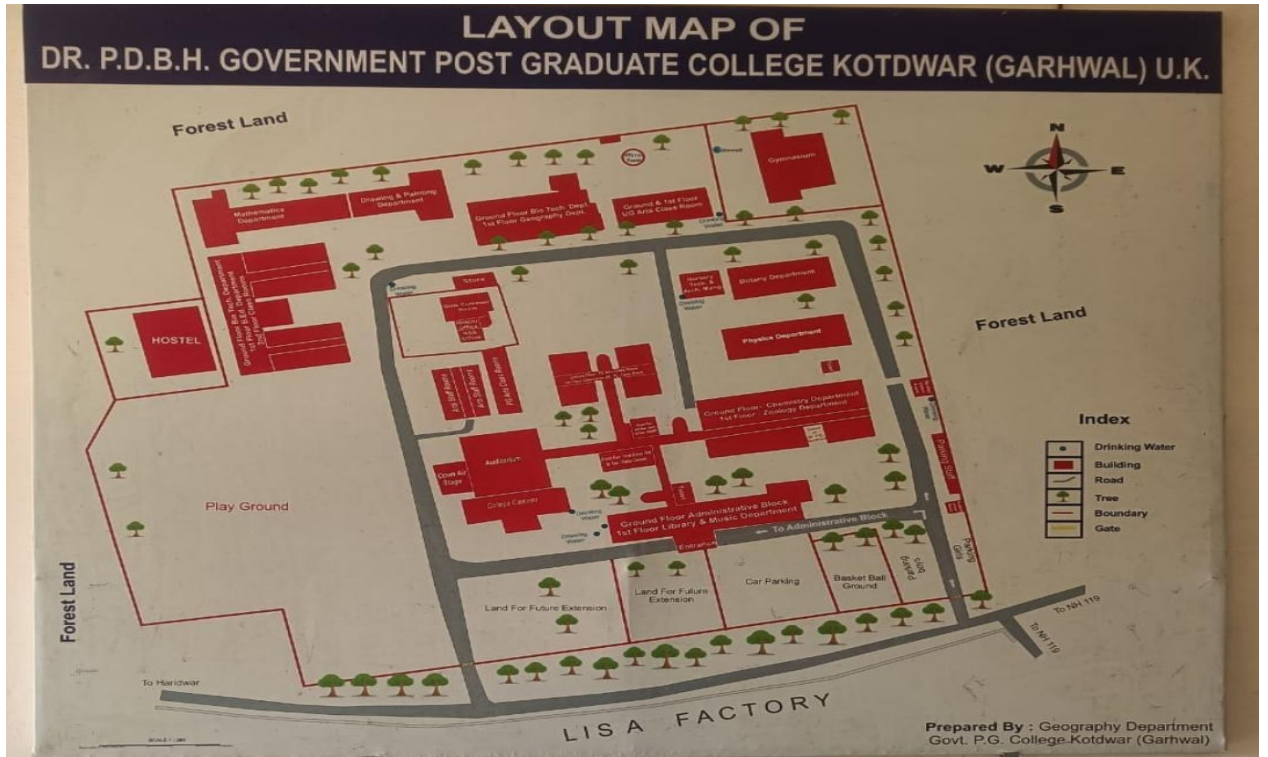


# COLLEGE INFRASTRUCTURE



**GREEN CAMPUS**













**PARKING FOR STUDENTS AND FACULTY**





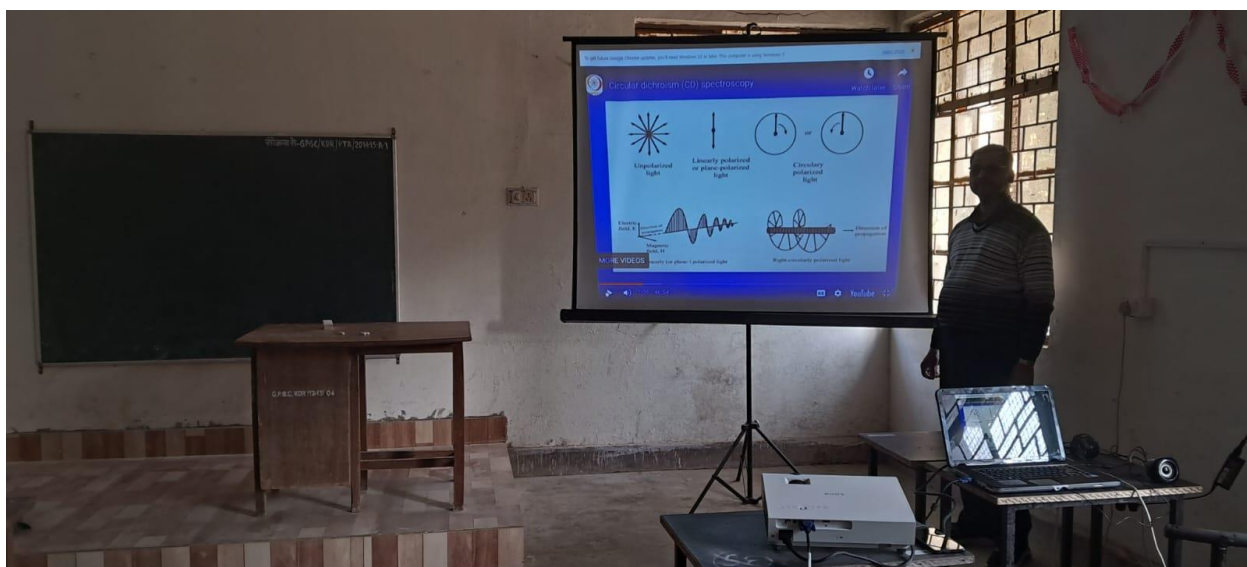
**PATH FOR DISABLE PERSON**



**OPEN STAGE WITH GROUND**



# CHEMISTRY









# PHYSICS







Shot on OnePlus



Shot on OnePlus



## BOTANY









## ZOOLOGY






**Establishing the Drosophila Body Plan**



Presented by  
**Kanchan Rathor  
Sapna Rahi  
Ritisha**


# संग्रहालय

**Dentiation in Mammal**



**Types of Teeth**

**Origin of Teeth**



Pres  
Laxmi Negi, S  
Shikha Negi, Sus  
M. Ac

**TYPICAL ANIMAL CELL**  
AS SEEN UNDER ELECTRON MICROSCOPE



Labels include: MITOCHONDRIA, GOLGI BODY, CELL MEMBRANE, PHAGOSOME, SPERMATOCYTES, CENTRIFUGAL FORCE, NUCLEAR PORE, NUCLEAR MEMBRANE, LYSOSOME, VACUOLE, CYTOSOL, PROTEIN PARTICLES, PEROxisome, CYTOSKELETON, MITOCHONDRIA, CYTOSOL, NUCLEAR PORE, NUCLEAR MEMBRANE, LYSOSOME, VACUOLE, CYTOSOL.





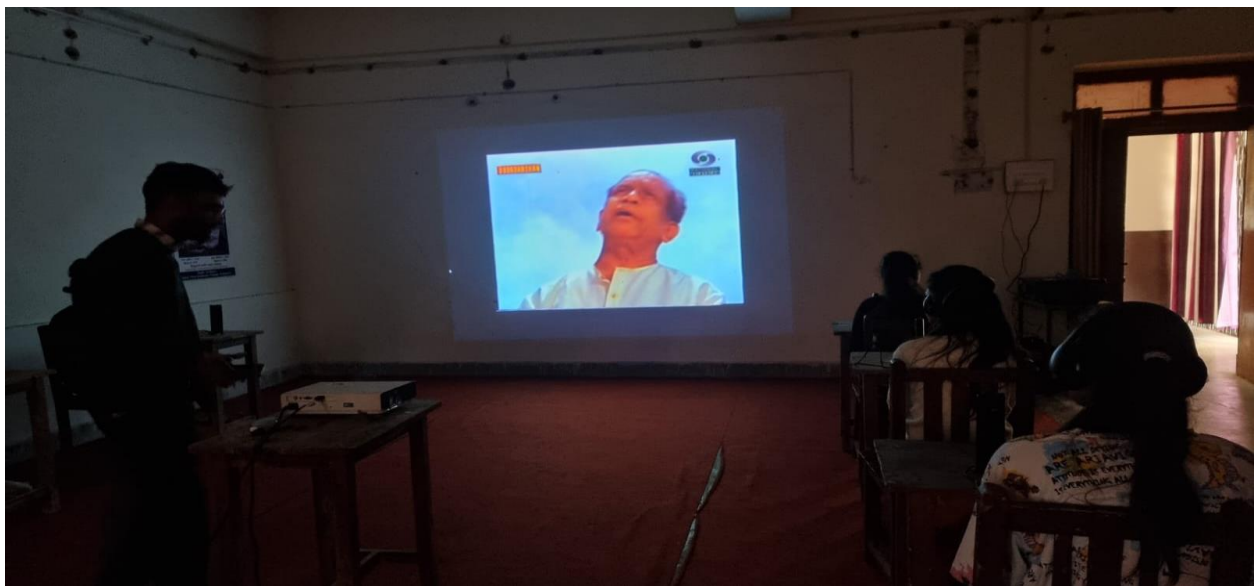








# MUSIC







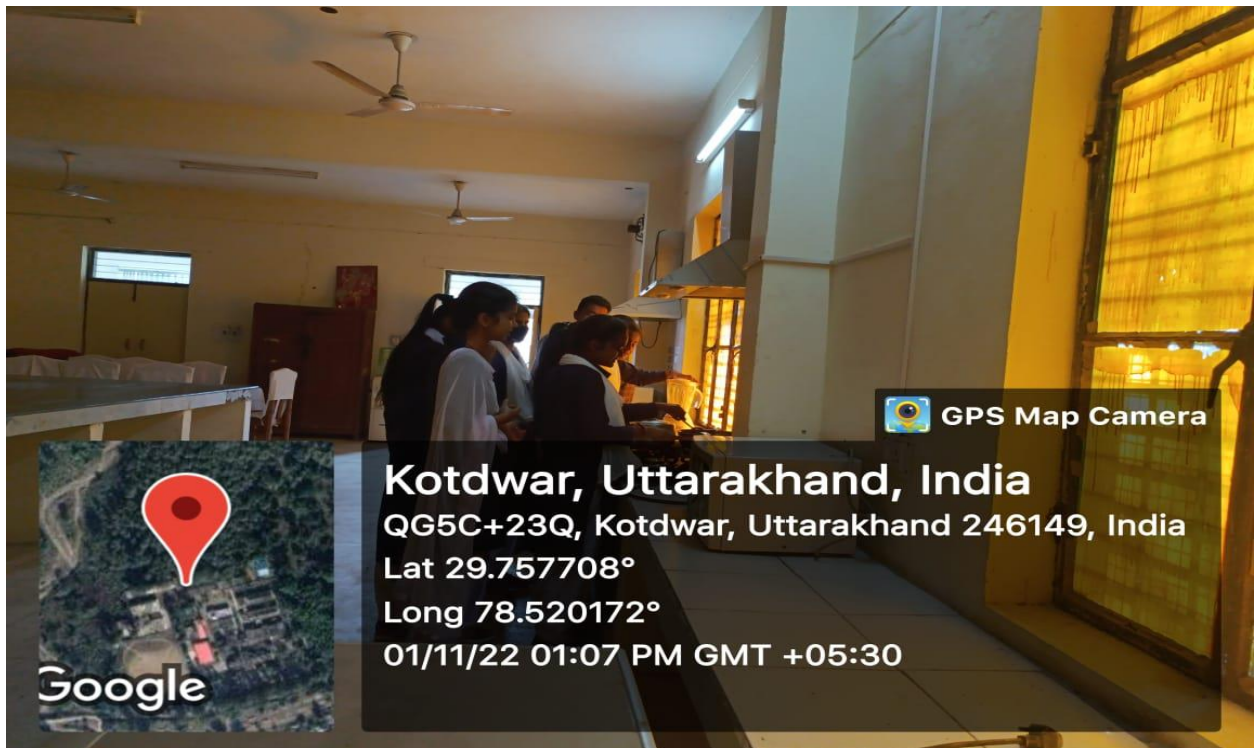
AUDIO VISUAL LAB



# HOME SCIENCE





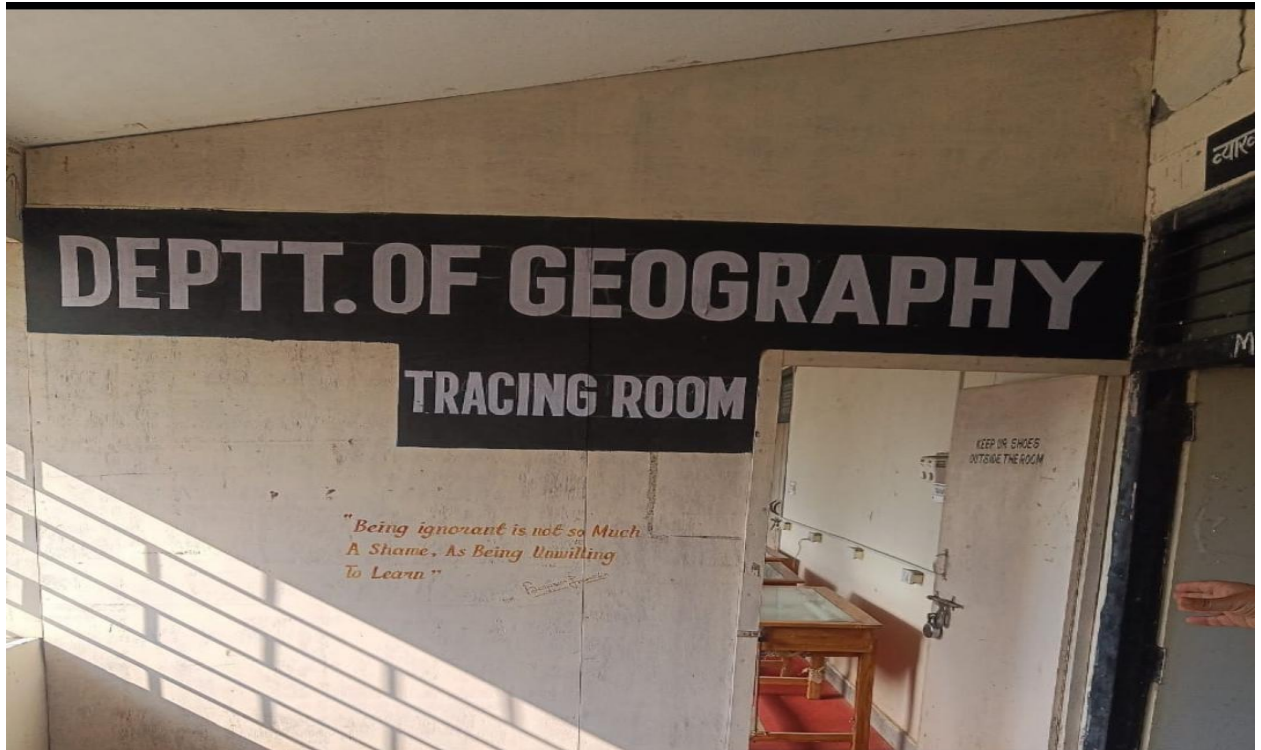


# GEOGRAPHY











## B. Ed. GOVT. & SELF FINANCE









**BIOTECHNOLOGY DEPARTMENT**















## SEMINAR HALL FOR MULTIPURPOSE USE





# IQAC OFFICE





## NSS OFFICE



## IGNOU OFFICE





## NCC AREA



## UOU OFFICE







**UNDER CONSTRUCTION MULTIPURPOSE HALL**

**BY RUSA**



# LIBRARY







## आवश्यक सूचना

झात्र-झात्रा, पुस्तक निर्गत हेतु अपने परिचय पत्र 1-00 बजे से पूर्व जमा करें।

पुस्तक निर्गत तिथि के दूसरे दिन प्रातः 10-00 बजे से दोपहर 2-00 बजे तक निर्गत होगी।

झात्र-झात्रा, स्वयं आकर अपनी पुस्तक प्राप्त करें अन्य झात्र-झात्रा को पुस्तक निर्गत नहीं की जायेगी।

पुस्तक नम्बर व पुस्तक कटी-फटी न हो, प्राप्त करते समय पूरी तरह जांच कर लें, अन्यथा पूर्ण जिम्मेदारी आपकी होगी।

पुस्तक प्रत्येक माह की निम्नलिखित तिथियों पर निर्गत की जायेगी।

आजा से- पुस्तकालयाध्यक्ष

## पुस्तक वितरण (झात्र)





# SENITATION FACILITY FOR FACULTY AND STUDENTS





## SENITATION FACILITY FOR DISABLED PERSON



## Video Conference Room





## NSS and NCC ROOM

**हिमालयन रोवर्स क्लब एवं तेजस्विनी रेंजर्स टीम**

**॥ प्रार्थना ॥**

दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।  
 दया करना क्षमता अन्त में, श्रद्धा देना ॥  
 हमारे ध्यान में आज, प्रभु जीवों में बस जाओ ।  
 अंधे दिल में जाकर के, परम ज्योति जगा देना ॥  
 बड़ा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर ।  
 हमें आपस मिल जुल कर प्रभु रहना सिखा देना ॥  
 हमारा कर्म ही सेवा, हमारा धर्म ही सेवा ।  
 सदा ईमान ही सेवा व सेवक चर बनना देना ॥  
 वतन के बास्ते जीना, वतन के बास्ते मरना ।  
 वतन पर जो फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना ॥  
 दया कर दान भक्ति का, हमें परमात्मा देना ।  
 दया करना हमारी आत्मा में, श्रद्धा देना ॥

रचयिता: श्री वीर देव 'वीर'

**सिद्धान्त वाक्य-**  
**"सेवा करो"**

**भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संघ, उत्तराखण्ड**

**राष्ट्रीय सेवा योजना**

राष्ट्रीय सेवा योजना हमें सिखाती है।

1. मुझको नहीं तुझको।
2. पहले आप लाभ उठाएँ।
3. आप का सम्मान हो।
4. मैं सेवा के लिए आया हूँ।
5. मैं आपके साथ सहयोगी, सहकर्मी और सहगामी हूँ।
6. व्यक्ति-समाज और राष्ट्र सेवा हमारा धर्म है।
7. दूसरों के हित में ही हमारा हित है।
8. हमने अपने राष्ट्र को सुखी, सम्पन्न, स्वस्थ-शिक्षित और समृद्धिगीत बनाने का व्रत लिया है।
9. हमारे लिए "राष्ट्रैव माता च पिता राष्ट्रैव सर्वं मम देव देवः" है।
10. हमी राष्ट्र को आन बान है, हमी राष्ट्र को शान।

राष्ट्र हमारा सबसे अच्छा, अच्छे हम इन्सान। हमारा भारत वर्ष महान।

**राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्य गीत**

- उठे समाज के लिए उठे-उठे, जगे स्वराष्ट्र के लिए जगे-जगे।
- स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें, स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें।
- हम उठें उठेन उन हमारे संग लक्ष्यो, हम बढ़ें तो सब बढ़ेंगे अपने-अप लक्ष्यो।
- जमी पे आसमान को उतार दें, जमी पे आसमान को उतार दें।
- स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें, स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें।
- उदरलोक को दूर कर खुशी को बढ़ते बने, जीव और अर को दूरियों को पाते चले।
- ज्ञान को प्रचार दें, प्रसार दें, विज्ञान को प्रचार दें, प्रसार दें।
- स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें, स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें।
- समर्थ बल-शुद्ध और नरियो रहे सदा, हरे-भरे वने की शाल ओढ़ती रहे धरा।
- तरफिकियों की इक नई कतार दें, तरफिकियों की इक-नई कतार दें।
- स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें, स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें।
- ये जति धर्म बेरियों बने न शाल राह की, बढ़ाये बेल प्रेम की अक्षयक की चार की।
- सदमहाना से ये यमन निहार दें, सदमहाना से ये यमन निहार दें।
- स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें, स्वयं सजे वस्त्रधार संवार दें।

**छठे वाक्य**  
**मैं नहीं परन्तु आप**